लक्ष्मी को प्रसन्न करने का मंत्र :

ॐ □ह्निनी □क्षनेत्री □क्षमना लक्ष्मी दाह्निनी वाच्छा
भूत-प्रेत सर्वशत्रु हारिणी दर्जन मोह्निनी रिद्धि सिद्धि कुरु-कुरु-स्वाहा।

FILE

इस मंत्र को □ढ़कर गुगल, गोरोचन, छाल-छबीला, क□ूर काचरी, चंदन चूरा मिलाकर भोज□त्र □र स्वास्तिक बनाएं। अष्टमी या शनिवार को लाल फल के साथ हल्दी व कुंकू से □ूजन करें।

नोट : यह मंत्र 108 बार □ढ़ना है।

विशेष : इस प्रयोग से लक्ष्मी की अ□ार कृ□ा प्राप्त होगी। आर्थिक संकट दूर होंगे। लेकिन मन, उद्देश्य, कर्म और □ूजन की शुद्धता तथा □वित्रता अनिवार्य है।

क्रोध, वैमनस्य, ईर्ष्या, जलन, नफरत और बेईमानी जैसे भावों से दूर रहना अति आवश्यक है। मन की सरलता से सारे तंत्र-मंत्र-यंत्र सिद्ध होते हैं।